### आज टेस्ट में सफलता के बाद वनडे में जीत के इरादे के साथ उतरेगी टीम इंडिया

# पहला एक दिवसीय आज

**सिडनी, 11 जनवरी (ए)।** टेस्ट में सफलता के बाद गैरजरूरी विवाद का सामना कर रही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ विश्व कप की अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने की कोशिश करेगी। हार्दिक पंड्या और लोकेश राहुल की एक टीवी शो के दौरान महिलाओं के प्रति 'अनुचित' टिप्पणी से भारतीय टीम का ध्यान भंग हुआ होगा। पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय से पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी कहा है कि टीम प्रबंधन को अभी इस फैसले का इंतजार है कि इन दो खिलाडियों पर क्या प्रतिबंध लगाया जाता है या उन्हें क्या सजा दी जाती है। टीम प्रबंधन ने पहले एकदिवसीय मैच के लिए खिलाड़ियों की संशोधित सूची की घोषणा नहीं की है और उसे इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बीसीसीआई के फैसले का इंतजार है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तरह की संभावना नहीं है कि ये दोनों ही खिलाड़ी पहले एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। राहुल की खराब फार्म और एकदिवसीय प्रारूप में रोहित शर्मा और शिखर धवन की स्थापित जोड़ी को देखते हुए राहुल को अंतिम एकादश में मौका मिलने की संभावना काफी कम है। बड़ा सवाल हालांकि पांड्या की उपलब्धता को लेकर है क्योंकि यह आलराउंडर 10 ओवर गेंदबाजी करने के अलावा मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की अपनी क्षमता से टीम को अहम संतुलन मुहैया कराता है।

पांड्या की गैरमौजूदगी का मतलब है कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करना पड़ सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पहले ही मौजूदा श्रृंखला और न्यूजीलैंड दौरे से आराम दिया जा चुका है। इससे टीम प्रबंधन को अपने गेंदबाजी आक्रमण के साथ आखिरी प्रयोग का मौका मिलेगा। भुवनेश्वर कुमार का खेलना लगभग तय है और यह कोहली पर निर्भर करता है कि पांड्या की गैरमौजूदगी में वह तीन तेज गेंदबाजों के आक्रमण के साथ उतरते हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में मोहम्मद शमी और खलील अहमद को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है क्योंकि विश्व कप के लिए भारत इसी चौकड़ी को बरकरार रखने का प्रयास कर रहा है। एससीजी की पिच पर हल्की घास देखी जा सकती है और इससे भारतीय कप्तान तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर के आक्रमण के साथ उतर सकते हैं। दोनों सलामी बल्लेबाजों के बाद कोहली तीसरे नंबर पर उतरेंगे। जाधव, महेंद्र सिंह धोनी और अंबाती रायुडू मध्यक्रम क्रम का हिस्सा हो सकते हैं। इस श्रृंखला में धोनी और रायुडू की फार्म पर विशेष रूप से नजर रहेगी। धोनी 2018 में खराब फार्म से जूझते रहे और इस दौरान 20 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 25 की औसत से 275 रन ही बना सके। यह विकेटकीपर बल्लेबाज इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं जड़ पाया। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 71.42 रहा जो 87.89 के उनके करियर स्ट्राइक रेट से काफी कम है। भारत चौथे नंबर की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए रायुडू को आजमा रहा है और पिछले साल सितंबर में एशिया कप से उन्हें पर्याप्त मौके दे रहा है। इस दौरान रायुडू ने एशिया कप और वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 11 एकदिवसीय मैचों में एक शतक और तीन अर्धशतक की बदौलत 56 के औसत से 392 रन बनाए। भारत को ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भी जनवरी 2016 में एकदिवसीय श्रृंखला में इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा था और तब धोनी की अगुआई में भारतीय टीम को 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। रोहित और कोहली ने तब पांच मैचों की श्रृंखला में क्रमशः 441 और 381 रन बनाए थे जबकि धवन ने 287 रन बटोरे थे। मध्यक्रम हालांकि उपयोगी योगदान देने में नाकाम रहा था और मनीष पांडे के अंतिम एकदिवसीय मैच में जुझारू शतक की बदौलत ही भारतीय टीम 5-0 से क्लीनस्वीप से बचने में सफल रही थी। आस्ट्रेलिया में भारत का एकदिवसीय रिकॉर्ड काफी खराब है। विश्व चैंपियनशिप 1985 और सीबी सीरीज 2008 की जीत के अलावा भारत को आस्ट्रेलिया के के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 48 में से 35 एकदिवसीय मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। भारत को हालांकि डेविड वार्नर (2016 की श्रृंखला में तीन मैचों में 220 रन) और स्टीव स्मिथ (2016 में पांच मैचों में 315 रन) की गैरमौजूदगी का फायदा मिल सकता है जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है।

#### टीमों इस प्रकार हैं

- **भारत**- विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, शिखर धवन, अंबाती रायुडू, दिनेश कार्तिक, केदार जाधव, महेंद्र सिंह धोनी, हार्दिक पंड्या, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रविंद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज में से।
- **ऑस्ट्रेलिया** (अंतिम एकादश)- आरोन फिंच (कप्तान), एलेक्स कैरी, उस्मान ख्वाजा, शान मार्श, पीटर हैंड्सकोंब, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नाथन लियोन, पीटर सिडल, झाय रिचर्डसन और जेसन बेहरेनडोर्फ। समय- मैच भारतीय समयानुसार सुबह सात बजकर 50 मिनट पर शुरू होगा।

# फिंच ने बताया अपना लक्ष्य

### भारत के इन 3 बल्लेबाजों को करना चाहते हैं जल्द आउट

**सिडनी, 11 जनवरी (ए)।** आस्ट्रेलिया के एकदिवसीय कप्तान आरोन फिंच ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय बल्लेबाजी शीर्ष तीन खिलाड़ियों पर काफी निर्भर है और उनकी टीम शनिवार से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। फिंच ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों शिखर धवन, रोहित शर्मा और विराट कोहली को सस्ते में आउट करना होगा। फिंच ने कहा, ''पिछले 12 महीने में विराट का औसत 133, शिखर का 75 और रोहित का 50



है। उनके शीर्ष तीन खिलाड़ी काफी रन बनाते हैं और काफी गेंद खेलते हैं। उन्हें जल्दी आउट करना महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार जमने के बाद वे तेजी से रन बनाते हैं और ऐसा नहीं लगता कि उन्हें आसानी से आउट किया जा सकता है।'' शीर्ष क्रम की सफलता के कारण महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले मध्यक्रम की असली परीक्षा नहीं हुई है। फिंच ने कहा, ''दिनेश कार्तिक, केदार जाधव,धोनी जैसे खिलाड़ी अपनी भूमिका निभा सकते हैं। शीर्ष तीन बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन आप इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकते, अन्यथा कोई और आपको परेशान करेगा और टीम के लिए काम कर जाएगा।''कल से शुरू एकदिवसीय श्रृंखला के बाद आस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला भी खेलनी है। मेजबान टीम ने पहले वनडे के लिए अंतिम एकादश की घोषणा कर दी है जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी पारी का आगाज करेंगे। टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी लंबा है जिसमें ग्लेन मैक्सवेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। फिंच ने कहा, ''हमें यहां तीन मैच खेलने हैं जिसके बाद हम पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने भारत जाएंगे और फिर पाकिस्तान से खेलेंगे, इसलिए ये 13 मैच काफी कड़े हैं। इसके बाद कुछ अभ्यास मैच और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अभ्यास मैच हैं।'' डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ के निलंबन के कारण आस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम प्रभावित हुआ है। फिंच ने कहा कि पिछले मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद उनके बल्लेबाजी क्रम के साथ नई शुरुआत करने का मौका है। तीन मैचों की श्रृंखला से भारत ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का फैसला किया है और इस बारे में पूछने जाने पर फिंच ने कहा,''बुमराह ने उनकी वनडे टीम में बड़ी भूमिका निभाई है या उनकी सभी टीमों में। भुवनेश्वर कुमार को भी सभी स्तर पर सफलता मिली है।'' उन्होंने कहा,''पिछले कुछ समय में दो स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। उनकी टीम का कोई बड़ा कमजोर पक्ष नहीं है। जडेजा के रूप में टीम में उनके पास अतिरिक्त स्पिन विकल्प है जबकि केदार भी आफ स्पिन गेंदबाजी कर सकता है।

## ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतने पर कोहली और शास्त्री को मिलेगी एससीजी की मानद सदस्यता

**सिडनी, 11 जनवरी (ए)।** भारतीय कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री को क्रिकेट के खेल में उनके योगदान के लिए सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) की मानद सदस्यता दी गई। भारत ने 4 मैचों की टेस्ट



सीरीज में आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर इस देश में सीरीज जीतने के 71 साल के इंतजार को खत्म किया। एससीजी की आधिकारिक वेबसाइट पर अध्यक्ष टोनी शेफर्ड के हवाले से कहा गया- एससीजी भारतीय टीम को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए बधाई देता है। यह देखकर शानदार लगा कि क्रिकेट खेलने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश अपना ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगा रहा है- एक ऐसा कदम जो वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में टेस्ट क्रिकेट के महत्व को मजबूती देता है। कोहली और शास्त्री के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों में सिर्फ भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा को ही एससीजी की मानद सदस्यता दी गई है।

### हार्दिक पंड्या और केएल राहुल पर लगी रोक

# जांच होने तक रहेंगे निलंबित

**सिडनी, 11 जनवरी (ए)।** रियालिटी शो कॉफी विद करण में महिलाओं पर अनुचित टिप्पणी के मामले में केएल राहुल और हार्दिक पांड्या पर गाज गिर गई है। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को होने वाले पहले मुकाबले से बाहर कर दिया गया है। दरअसल सीओए की सदस्य डायना इडुल्जी ने हार्दिक पांड्या और लोकेश राहुल को आगे की कार्रवाई होने तक निलंबन करने की सिफारिश की थी। इस पर बीसीसीआई



के एक सूत्र ने बताया कि अभी हार्दिक पंड्या को अंतिम 11 में नहीं रखा गया है। केएल राहुल के नाम पर अभी विचार नहीं हुआ है। लेकिन यह पक्का है कि वह पंड्या पहला मैच नहीं खेलेगा। हालांकि अभी अंतिम फैसला लिया नहीं गया है। बीसीसीआई के सूत्र का कहना है कि पंड्या को पहले वनडे से बाहर करने संबंधी बता दिया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण राहुल का नाम वैसे भी अंतिम-11 में नहीं था। टीम प्रबंधन आधिकारिक सूचना का इंतजार कर रहा है कि इन्हें अस्थाई रूप से निलंबित किया जाएगा और क्या उन्हें स्वदेश वापस भेजा जाएगा। बता दें कि सीओए प्रमुख विनोद राय ने पंड्या और राहुल के लिए दो मैचों के निलंबन की सिफारिश की थी लेकिन उनकी सहयोगी इडुल्जी ने मामले को बीसीसीआई की विधि टीम के पास भेज दिया था। इडुल्जी ने दोनों के खिलाफ शुक्रवार को 'आगे की कार्रवाई तक निलंबन' की सिफारिश की है क्योंकि बीसीसीआई की विधि टीम ने महिलाओं पर इनकी विवादास्पद टिप्पणी को आचार संहिता का उल्लंघन घोषित करने से इनकार कर दिया है। मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से बात करते हुए भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पंड्या और राहुल की टिप्पणियों को 'अनुचित' करार दिया था। उन्होंने कहा- मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि भारतीय क्रिकेट टीम और जिम्मेदार क्रिकेटरों के रूप में हम इस तरह के नजरिये के पक्ष में नहीं हैं जो पूरी तरह से व्यक्तिगत नजरिया है।

### आंसू बहाकर टेनिस के महान खिलाड़ी

# एंडी मर्रे ने किया संन्यास का ऐलान

**मेलबर्न, 11 जनवरी (ए)।** टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी एंडी मर्रे ने भावुक होकर शुक्रवार को कहा कि कूल्हे की सर्जरी के बाद दर्द के कारण अगले सप्ताह से शुरू हो रहा ऑस्ट्रेलियाई ओपन उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। विश्व रैंकिंग में पूर्व में विम्बलडन खेल कर संन्यास लेना चाहता हूं। लेकिन मैं इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हूं कि तब तक खेल पाउंगा। मैं लंबे समय से संघर्ष कर रहा हूं। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हूं कि और चार-पांच महीने खेल पाउंगा।'' पिछले सत्र में उन्होंने सितंबर में शेनझेन



नंबर एक खिलाड़ी रहे तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता मर्रे यहां संवाददाता सम्मेलन में भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई। उन्होंने कहा कि उनका दर्द कई बार असहनीय हो जाता है। स्कॉटलैंड (ब्रिटेन) के 31 साल के इस खिलाडी ने कहा, '' मैं कमियों के साथ खेल सकता हूं। लेकिन कमियां और दर्द मुझे प्रतियोगिता या प्रशिक्षण का लुत्फ नहीं उठाने दे रहे।''उन्होंने कहा कि वह अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम विम्बलडन के साथ करियर को खत्म करना चाहते हैं लेकिन उन्होंने माना कि उनके लिए तब तक खेलना मुश्किल होगा।'' मर्रे को 77 साल में विम्बलडन जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी के तौर पर जाना जाता है जो इस खेल के स्वर्णम काल में रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल जैसे खिलाड़ियों के साथ शीर्ष पर पहुंचे। उन्होंने कहा,'' मैं में अपना आखिरी टूर्नामेंट खेला था। इस सत्र में ब्रिस्बेन में वह दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह पहले दौर में 22वीं वरीयता प्राप्त रोबर्टो बतिस्ता आगुत के खिलाफ खेलेंगे। उन्होंने कहा, '' मैं इस मैच में खेलूंगा, मैं एक स्तर तक खेल सकता हूं लेकिन उस स्तर तक नहीं जैसा खेल कर मैं खुश रह सकूं।'' मर्रे ने विम्बलडन में 2013 में जीत दर्ज कर इस टूर्नामेंट में खिताब के ब्रिटेन के 77 साल के सूखे को खत्म किया था। उनसे पहले फ्रेड पैरी ने यह खिताब जीता था। मर्रे ने 2016 में भी इस खिताब को दोबारा अपने नाम किया था। इससे पहले उन्होंने 2012 में अमेरिकी ओपन फाइनल में चार घंटे 54 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को हराकर 1936 में खिताब जीतने वाले पैरी की बराबरी की थी।

### पंड्या बाहर भी हो जाए तो भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा : गावस्कर

**मुंबई, 11 जनवरी (ए)।** चर्चित चैट शो कॉफी विद करन में महिलाओं को लेकर विवादित बयान देने के बाद विवादों में घिर हार्दिक पांड्या और केएल राहुल के लिए बुरी खबरों की लाइन सी लग गई है। ऐसे में बीसीसीआई के कार्यकारी सचिव अमिताभ चौधरी ने दोनों ही खिलाड़ियों पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के पहले दो वनडे मैचों में बैन लगाने की बात कही है। ऐसे में भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय दी है। गावस्कर ने बताया कहा कि, पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के आगमन से टीम मजबूत हुई है और अगर पहले दो मैच में राहुल और पांड्या टीम के साथ नहीं होते हैं तो इससे ज्यादा कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। इस घटना के बाद खिलाड़ियों का खोया आत्मविश्वास वापस लौटाने का काम धोनी कर सकते हैं। धोनी की वापसी से भारतीय कप्तान विराट कोहली को भी फायदा पहुंचेगा। गावस्कर ने आगे कहा, विराट कोहली टेस्ट सीरीज के दौरान डीआरएस लेते समय कई बार दुविधा में नजर आए। कोहली की इस दुविधा को धोनी दूर करने का काम करेंगे। वहीं राहुल-पांड्या के बयान से उठे विवाद के बाद उन्हें वर्ल्ड कप 2019 की टीम में शामिल करने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। ऐसे में अगर इन दोनों खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिलता है तो उनके पास खुद को साबित करने की कड़ी चुनौती होगा।

# राहूल ने अपने डेव्यू में महज रनों से पहला शतक से चुके थे

### द वॉल के जन्मदिन पर विजयवर्गीय ने दी कुछ इस अंदाज में बधाई

**इंदौर, 11 जनवरी (ए)।** क्रिकेट के दुनिया में द वॉल के नाम से मशहूर क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का आज जन्म दिन था। 11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्म लेने वाले राहुल द्रविड़ आज 45 साल के हो गए हैं। 5 साल पहले क्रिकेट जगत को अलविदा कहने वाले द्रविड़ ने अपने इंटरनेशनल करियर में 24,000 से ज्यादा रन बनाए। इसी बीच बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को जन्मदिन की बधाई देते हुए ट्वीट किया है। विजयवर्गीय ने लिखा है कि, हिंदुस्तान एक ऐसी दीवार है जिसे दुनिया कोई तोड नहीं सकता, ये क्रिकेट के मैदान में साबित कर दिखाने वाले फौलादी इरादों के बल्लेबाज़ और सफल कोच...राहुल द्रविड़ के जन्मदिन पर अनंत शुभकामनायें। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ भारत की



ओर से 164 टेस्ट और 344 वनडे मैच खेले। वे फिलहाल भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम के कोच हैं। द्रविड़ को 1996 में विनोद कांबली की जगह टीम इंडिया में शामिल किया गया था। उन्होंने अपने पहले वन डे मुकाबले में महज 3 रन बनाए थे। उन्होंने अपना एक दिवसीय डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ सिंगापुर में किया था। क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर अपने टेस्ट डेब्यू में ही द्रविड़ ने पहले मैच में 95 रनों की पारी खेली और महज 5 रनों से अपना पहला शतक चूक गए। द्रविड़ ने अपने डेब्यू सीरीज में ही 62.33 की औसत से रन बनाए थे। इसी मैच में सौरभ गांगुली ने भी डेब्यू किया था।

**टेस्ट के लिए मशहूर, पर एक मात्र टी20 में जड़ दिए लगातार तीन छक्के**-द वॉल के टेस्ट रिकॉर्ड और उनके खेलने का तरीका देखकर कई लोग उन्हें छोटे फॉर्मेट के लायक नहीं मानते थे। लेकिन कई बार राहुल द्रविड़ ने इस सोच गलत साबित किया। राहुल का खुद मानना था कि वे कभी टी 20 नहीं खेलेंगे। लेकिन उन्होंने कैरियर के अंत में एक ञ20 मैच खेला। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए इस मैच के 11वें ओवर में समित पटेल की लगातार तीन गेंदों में तीन छक्के भी जड़ दिए। नॉन स्ट्राइकर एंड पर अंजिक्य रहाणे खड़े थे।

- **आईपीएल में भी जमाया रंग**-राहुल द्रविड़ ने टेस्ट और वन डे के बाद टी 20 लीग आईपीएल में भी रंग दिखाया। इन्होंने राजस्थान रायल्स टीम से खेलते हुए इस लीग में करीब 2000 से ज्यादा रन बनाए। कई बार राहुल द्रविड़ ने ऐसी बल्लेबाजी की कि उन्हें टेस्ट प्लेयर बोलने वाले आलोचक भी देखते ही रह गए। उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स टीम को खड़ा करने में अहम रोल निभाया।
- **विश्वकप 1991 में सर्वाधिक रन बनाए**-1999 के विश्व कप से पहले राहुल द्रविड़ को सिर्फ टेस्ट मैच का प्लेयर माना जाता था। वन डे मैचों में कुछ विफलताओं की वजह से उनकी आलोचना होने लगी थी। इस टूर्नामेंट के 8 मैचों में उन्होंने सर्वाधिक 461 रन बनाए और अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। टीम इंडिया भले ही सेमीफाइनल मुकाबले तक भी नहीं पहुँच पाई लेकिन 65.85 की औसत और 85.52 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले द्रविड़ ने अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। लेकिन 2012 में में उन्होंने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सन्यास की घोषणा कर दी।

### एकमात्र टी-20 में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 35 रनों से हराया

**आकलैंड, 11 जनवरी (ए)।** टीम में वापसी कर रहे डग ब्रेसवेल और पदार्पण कर रहे स्काट कुगेलिन के बल्ले और गेंद से उम्दा प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 35 रन से हराया। इसके साथ ही श्रीलंका के निराशाजनक दौरे का अंत हुआ जिसमें टीम को पहला टेस्ट ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे टेस्ट, तीन वनडे और एकमात्र टी20 में हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने टास गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 55 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन ब्रेसवेल (44) और कुगेलिन (नाबाद 35) की पारियों की बदौलत टीम सात विकेट पर 179 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम एक समय 12 ओवर में चार विकेट पर 118 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। लेकिन टीम ने अपने अंतिम छह विकेट सिर्फ 26 रन जोड़कर गंवा दिए और पूरी टीम 19 गेंद शेष रहते 144 रन पर सिमट गई।